1. भाषा और व्याकरण

अपने मन के भावों और विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए जो माध्यम प्रयोग किया जाता है, वह **भाषा** कहलाता है। कभी-कभी संकेतों के द्‌वारा भी अपनी बात प्रकट की जाती है परंतु यह भाषा नहीं है क्योंकि इस प्रकार संपूर्ण बात नहीं बताई जा सकती। व्याकरण भाषा के शुद्‌ध रूप का परिचायक है। व्याकरण के अपूर्ण ज्ञान के अभाव में भाषा में कई प्रकार की अशुद्‌धियाँ आ जाती हैं।

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से पूछें, वे अपनी बात किस तरह से दूसरों तक पहुँचाते हैं। बच्चों के जवाब भिन्न-भिन्न होंगे, जैसे– बोलकर या बातचीत करके, लिखकर, कोई बच्चा बोलेगा एम॰एम॰एस करके, पत्र लिखकर आदि। आप बच्चों को बताएँ यही तो भाषा है। अपनी बात को जिस भी माध्यम द्‌वारा हम दूसरों तक पहुँचाते हैं, वह माध्यम ही भाषा होती है।
- ❖ बताएँ– बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना ही भाषा का आधार है। भाषा के मौखिक तथा लिखित रूपों के बारे में समझाते हुए कुछ उदाहरण दें, जैसे– गाना गाना, भाषण देना, पुस्तक पढ़ना, गृहकार्य करना आदि। फिर बच्चों से ही पूछें, ये भाषा का कौन-सा रूप हैं।
- ❖ भारत के अन्य क्षेत्रों की भाषाओं से अवगत कराएँ।
- ❖ पूछें, वे घर में कौन-सी भाषा में बात करते हैं। यदि कोई छात्र-छात्रा बंगाली होगा तो वह उत्तर देगा कि वह घर में बांग्ला बोलता है। अगर कोई पंजाबी होगा तो वह पंजाबी भाषा बोलेगा आदि। बातचीत द्‌वारा बच्चों को समझाएँ कि बच्चा जो भाषा अपने घर-परिवार में बोलना सीखता है वही उसकी मातृभाषा होती है।
- ❖ समझाएँ, हिंदी भारत के अधिकांशतः क्षेत्रों में बोली, पढ़ी तथा लिखी जाती है।
- ❖ हिंदी भारत की राजभाषा कहलाती है।
- ❖ बच्चों पर ध्यान बनाए रखें। बीच-बीच में पूछते रहें कि वे पाठ समझ पा रहे हैं या नहीं। यदि कोई मुश्किल हो तो दोबारा समझाएँ।
- ❖ लिपि के बारे में समझाते हुए बताएँ, बोली हुई बात को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वह चिह्न ही उस भाषा की लिपि कहलाते हैं।
- ❖ बताएँ, हिंदी की लिपि देवनागरी है, जिसके लिपि चिह्न अ, आ, क, च, प, स, ह आदि संपूर्ण वर्णमाला है। अन्य भाषाओं की लिपियों के बारे में भी बताएँ।
- ❖ बच्चों को समझाएँ, भाषा के प्रयोग में कोई गलती न हो इसके लिए भाषा के व्याकरण को जानना बहुत आवश्यक होता है। व्याकरण द्‌वारा वर्णों, शब्दों तथा वाक्यों को शुद्‌ध बोलना, पढ़ना, लिखना तथा समझा जाता है।
- ❖ व्याकरण के तीनों अंगों-वर्ण विचार, शब्द विचार तथा वाक्य विचार के बारे में भी समझाएँ।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि बच्चे आपकी बात समझ पा रहे हैं।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर बच्चों से पूछें।
- ❖ पाठ के अभ्यास बच्चों से ही करवाएँ जाएँ। यदि बच्चों को कुछ समझ न आए तो आप यथोचित सहायता करें।